DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शुक्रवार, 20 जनवरी 2023 ED----------

मेरी कॉलोनी : दिल्ली : मेरा शहर

आशियाना तो मिला, लेकिन डर के साए में रहने को हुए मजबूर

गोविंदपुरी के भूमिहीन कैंप में बने फ्लैट्स हो गए जर्जर

■ अश्वनी शर्मा, भूमिहीन कैंप

गोविंदपुरी इलाके के भूमिहीन कैंप में रहने वाले 600 से ज्यादा झुग्गी वासियों को उनके सपनों का आशियाना तो मिल गया, लेकिन अब उन्हें किसी अनहोनी का डर सता रहा है। गोविंदपुर पुलिस स्टेशन के पास 20 टावर में 3024 फ्लैट्स बनाए गए हैं। फ्लैटों में दरारें और जगह-जगह सीलन आ गई है। लोगों का आरोप है कि दरारों को छुपाने के लिए उन पर पीओपी करवा दी गई है। लोगों ने बताया कि लिफ्ट शुरू नहीं होने से दिक्कत होती है।

यहां रह रहे लोगों को डर है कि कभी भी हो सकता है इमारत में हादसा

भूमिहीन कैंप में रहने वाली ज्ञानवती ने बताया कि उनका सी ब्लॉक की बिल्डिंग में चौथी मंजिल पर फ्लैट है। मकानों में दरार और सीलन आ रखी है। बुजुर्ग होने के कारण वह सीढ़ियों से ऊपर चढ़ भी नहीं पाती हैं। मकान में बिजली का मीटर तो लग गया है, लेकिन अभी लाइन नहीं गई है।

गोविंदपुर पुलिस स्टेशन के पास हुआ है टावरों का निर्माण

भूमिहीन कैंप में रहने वाली मुनीषा ने बताया कि पाई-पाई जमा करके एक लाख 47 हजार 400 रुपये जमा किए थे। जब लेटर नहीं मिला, तो वह डीडीए के दफ्तर गईं। वहां बताया गया कि उनका फ्लैट कैंसिल हो गया है। कारण पूछने पर कहा गया कि टाइम से रुपये जमा नहीं करने पर उन पर पेनल्टी लगाई गई है। बाद में उन्होंने पेनल्टी के 3600 रुपये जमा किए, लेकिन अभी तक फ्लैट नहीं मिला।

ऊषा ने बताया कि उन्हें 12वीं मंजिल पर फ्लैट मिला है। 5 मंजिल के बाद से अधिक्तर फ्लैटों में दारारें और सीलन आ

लिफ्ट शुरू न होने से बुजुर्ग परेशान

फ्लैटों में आने लगी है सीलन

गई है। बिल्डिंग के जॉइंट पर लोहे की पतली परत वाली चादर लगाई गई हैं। इस परत पर भारी व्यक्ति अगर चले तो कभी भी गिर सकता है। यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।